हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 22 : जौनपुर, सोमवार 16 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

गाजा नागरिकों को इजराइल ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजरायली सेना का गाजा पट्टी पर भीषण हमला जारी है। आसमान और जमीन के साथ अब समुद्र के रास्ते से भी इजराइल गाजा पर हमला कर रहा है। गाजा की सरहद से सटे सभी इलाकों पर इजराइली टैंकों ने गोले दागे है। वहीं इजराइल की सेना अब समुद्र से रास्ते भी हमास की घेराबंदी करने में जुट गई है। इसके लिए इजराइल को अमेरिका से भी मदद मिल रही है। अमेरिका के दो विमान भी भूमध्य सागर में इजराल की मदद के लिए पहुंचे है। अमेरिका ने यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड और यूएसएस आइजनहावर को इजराइल की मदद के उद्देश्य से तैनात किया है। बता दें कि ये दोनों ही एयरक्राफ्ट बेहद खास है। इन्हें दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर माना जाता है। बता दें कि जंगी जहाज गेराल्ड फोर्ड 76 मीटर ऊंचा है जो कि परमाणु ऊर्जा से चलता है। जानू उसकी ऊंचाई दिल्ली स्थित कुतुब मीनार से भी आती मीटर अधिक है। गेराल्ड फोर्ड जंगी जहाज की क्षमता 1 लाख टन से भी अधिक है।

कई शहरों में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली और एनसीआर में भूकंप के तेज झटके लगे है। दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद में भूकंप के झटके आए है। भूकंप के झटके 4 बजकर 8 मिनट पर महसूस किए गए थे। जानकारी के मुताबिक हरियाणा के फरीदाबाद में इस भूकंप का केंद्र था। राहत रही की भूकंप की तीव्रता काफी कम मांपी गई है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता सिर्फ 3.1 रही थी। बता दें कि बीते दो सप्ताह में ये दूसरा मौका है जब दिल्ली एनसीआर की धरती कांप उठी है। बता दें कि इससे पहले 3 अक्टूबर को भी राजधानी दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस दौरान आया भूकंप काफी तीव्र था, जिसने लोगों को घरों से बाहर निकालने के लिए मजबूर कर दिया था। इस दौरान भूकंप दोपहर 2.25 बजे आया था।

उत्तर प्रदेश में हो सकता है मंत्रिमंडल विस्तार

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है। इसी बीच ओम प्रकाश राजभर ने बड़ी जानकारी साझा कर दी है। लंबे अरसे से मंत्री बनने की इच्छा रख रहे ओम प्रकाश राजभर फिर से चर्चा में आ गए हैं। दरअसल घोसी में होने वाले उपचुनाव से पहले चर्चा है कि कैबिनेट विस्तार किया जा सकता है। इसे लेकर एनडीए का गठबंधन हिस्सा बने सुभासपा का प्रमुख ओम प्रकाश राजभर भी योगी मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं। बीजेपी उम्मीदवार की करारी शिकस्त के बाद कैबिनेट विस्तार टल गया था। माना जा रहा है कि नवरात्रि के दौरान उत्तर प्रदेश में योगी सरकार कैबिनेट विस्तार को अंजाम दे सकती है। इसी बीच ओमप्रकाश राजभर की मंत्री बनने की इच्छा फिर से उजागर होने लगी है।

गाजा के लिए घातक बना युद्ध

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हमास और इजराइल के बीच जारी मौजूदा संघर्ष में 2,329 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है और यह पांच गाजा युद्धों में से फिलस्तीनियों के लिए सबसे घातक युद्ध बन गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, इजराइल और हमास के बीच 2014 में हुए युद्ध में 2,251 फिलस्तीनियों की मौत हुई थी, जिनमें से 1,462 आम नागरिक थे। मौजूदा युद्ध में मृतक संख्या रविवार को 2014 में हुए युद्ध की मृतक संख्या को पार कर गई। वर्ष 2014 में हुआ युद्ध छह सप्ताह चला था और इसमें इजराइली पक्ष के 74 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें छह आम नागरिक शामिल थे। मौजूदा युद्ध लगभग एक सप्ताह पहले उस समय शुरू हुआ था,।

सीएम योगी ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन गोरखपुर को 233.20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी

गोरखपुर (एजेन्सी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र के पहले दिन गोरखपुर महानगर को 233.20 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान उनके समक्ष नगर निगम और एनटीपीसी के मध्य कूड़े से चारकोल बनाने के प्लांट की स्थापना के लिए एमओयू भी हुआ। सीएम ने नगर निगम की 303 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण समारोह एवं एमओयू आदान प्रदान समारोह में कहा कि नगरीय विकास आज की आवश्यकता है। भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए नगरीय विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इससे लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ तो मिलेगा ही, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना भी बढ़ेगी। रविवार सुबह नगर निगम परिसर में आयोजित समारोह में सीएम ने 189 विकास कार्यों का शिलान्यास व 114 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस दौरान उनके समक्ष नगर निगम एवं नेशनल थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन के बीच कूड़े से चारकोल बनाने का प्लांट स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान प्रदान भी हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की महती भूमिका है। गोरखपुर नगर निगम ने एनटीपीसी के सहयोग से इस दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। एनटीपीसी की तरफ से प्लांट लग जाने के बाद नगर निकायों का कूड़ा चारकोल के रूप में बिजली उत्पादन का साधन बनेगा। सीएम ने कहा कि नगरीय विकास के क्षेत्र में अनियोजित और अवैज्ञानिक विकास की सोच ने बड़ी समस्या खड़ी कर दी थी। जगह–जगह कूड़े का पहाड़ दिखता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन ने इस समस्या के निदान में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन किया है। इसी कड़ी में गोरखपुर नगर निगम ने नगरीय जीवन को स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ आधुनिक तकनीक से वेस्ट को वेल्थ बनाने की पहल की है। स्मार्ट सिटी बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीएम ने कहा कि सॉलिड वेस्ट का उचित प्रबंधन न होने से कूड़ा ऐसे ही यहां–वहां फेंक दिया जाता था। शहर के एंट्री पॉइंट पर कूड़े के ढेर के दर्शन होते थे। इससे सिटी के विकास पर पानी फिरता दिखता था। अब ऐसा प्लांट लगने जा रहा है जहां कूड़े से चारकोल, सीएनजी का उत्पादन होगा। एनटीपीसी के इस प्लांट से नगर निगम को 25 सालों में 600 करोड़ रुपये की बचत होगी। बचत के इस रुपये का उपयोग विकास के कार्यों में होगा। 500 टन प्रतिदिन कूड़े की जरूरत वाले इस प्लांट से नगर निगम के साथ ही जिले की तमाम नगर पंचायतों के कूड़े का भी समुचित निस्तारण हो जाएगा।

इससे शहर के एंट्री पॉइंट पर कूड़ा नहीं दिखेगा और बाहर से आने वाले लोगों के मन में अच्छा संदेश जाएगा। गोरखपुर साफ और सुंदर दिखेगा तो लोगों के मन में यहां के नागरिकों के प्रति सम्मान का भाव बढ़ेगा। सीएम ने बताया कि एनटीपीसी नगर निगम और सरकारी भवनों पर सोलर पैनल भी लगवाएगा और इससे सोलर सिटी के रूप में भी गोरखपुर की पहचान सुदृढ़ होगी।

इजराइल की हमास पर एयर स्ट्राक में मारा गया टॉप कमांडर बिलाल, हेड क्वार्टर भी ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में अब बड़ा मोड़ आ गया है। इजरायल और फिलस्तीनी आतंकी संगठन हमास के बीच जारी युद्ध में इजराइल को बड़ी उपलब्धि मिली है। इजराइल ने हमास के एक बड़े कमांडर को मार गिराया है। शनिवार की रात इजरायल की एयर फोर्स ने दक्षिणी खान यूनिस बटालियन पर एयर स्ट्राइक की है जिसमें बिलाल अल कदरा की मौत हो गई है। गौरतलब है कि हमास के हमले में इजराइल में 1,300 से अधिक लोग मारे गए हैं जबकि इजराइल की जवाबी कार्रवाई में गाजा में कम से कम 1,900 लोग मारे गए हैं। इसी बीच इजराइल की एयर फोर्ट के लड़ाकू विमानों ने शनिवार की रात में गाजा पट्टी में आतंकी संगठन हमास की दक्षिण खान यूनिस बटालियन पर हमला किया और इसमें आतंकी को मार गिराया है। मारा गया आंतकी बिलाल अल कदरा है, जो कि इजराइल में कई मासूम लोगों की मौत का जिम्मेदार है। इसके कहने पर ही आतंकियों ने घरों में लोगों को घुसकर और ढूंढ ढूंढकर मौत के घाट उतारा था। इजराइल की डिफेंस फोर्स का कहना है कि आईडीएफ ने जेयतुन, खान यूनिस और पश्चिम जाबलिया के पास स्थित हमास के सौ से अधिक ठिकानों पर हमले को अंजाम दिया है। इजराइल की फोर्स ने हमास के सभी ठिकानों पर हमला किया है जहां से आतंकी इजराइल के खिलाफ हमला करने की हिमाकत कर रहे थे। इजराइल फोर्स ने हमास के इस्लामिक जिहाद परिषद के मुख्यालय, कमांड सेंटर, सैन्य परिसर, दर्जनों लांचर पैड, एंटी–टैंक पोस्ट और वॉच टावर पर हमला किया है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विकास को गति देंगी केंद्र की योजनाएं

केंद्र सरकार सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही हर काम करती है, पीएम मोदी ने हाल ही में कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्र सरकार सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही हर काम करती है। इसी ध्येय पर आगे बढ़ते हुए केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए भी विकास योजनाएं बनाई है। इसी का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कहीं परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। इन योजनाओं की बदौलत दोनों ही राज्यों में जनता के लिए नए द्वार खुलेंगे। ये योजनाएं ऐसी है जिनपर केंद्र सरकार 50 हजार करोड़ रुपए खर्च करने वाली है। आइए आपको बताते है किन योजनाओं पर केंद्र सरकार काम करने जा रही है। इन योजनाओं की बदौलत युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे वहीं गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के सपनों को उड़ान मिलेगी। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में बीपीसीएल के पेट्रोकेमिकल कैंपस की आधारशिला रखी है। इस परियोजना के तहत भारत कॉरपोरेशन पेट्रोलियम लिमिटेड के बीना कैंपस में 45 हजार करोड़ लगाकर पेट्रो केमिकल परिसर का निर्माण होगा। इस रिफाइनरी के जरिए 1200 किलो टन एथेलिन का उत्पादन होगा जिससे पैकेजिंग और फार्मा जैसे क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। इस रिफाइनरी की बदौलत देश में आयात काम होगा। यह रिफाइनरी आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को गति देने की पहल के अनुकूल एक बड़ा कदम है। बुंदेलखंड व आसपास के इलाकों में इस योजना के जरिए विकास की रफ्तार बढ़ेगी। इसके साथ ही कई औद्योगिक परियोजनाओं की आधार शिला रखी गई है। इन परियोजनाओं के जरिए नर्मदापुरम जिले में विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र, इंदौर में दो आईटी पार्क, रतलाम में मेगा औद्योगिक पार्क और मध्य प्रदेश में छह नए औद्योगिक क्षेत्रों का निर्माण किया जाएगा। ये परियोजना 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तैयार होगी जिसमें नर्मदापुरम में विद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। आर्थिक विकास और रोजगार पैदा करने के लिए ये बेहद लाभकारी है। इसके साथ ही इंदौर में आईटी पार्क का निर्माण होगा जिसमें 550 करोड़ रुपये की लागए आएगी। इसके जरिए भी रोजगार के नए अवसर युवाओं को मिलेंगे। रतलाम में केंद्र सरकार 460 करोड़ रुपये की लागत से मेगा औद्योगिक पार्क बनाएगी। ये पार्क दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़ा होगा, मेगा पार्क में कपड़ा, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाने की अवधारणा की गई है। यह पार्क पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। इससे युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों का सृजन होगा।

डॉ. बी आर आंबेडकर की सबसे ऊंची प्रतिमा का अमेरिका में अनावरण

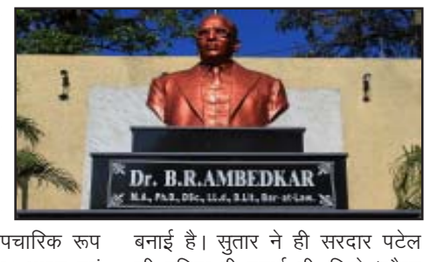

वाशिंगटन (एजेन्सी)। । भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार डॉ. बी आर आंबेडकर की भारत के बाहर सबसे बड़ी प्रतिमा का यहां अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के मैरीलैंड उपनगर में औपचारिक रूप से अनावरण किया गया। भारत एवं अन्य देशों से पहुंचे लोगों और अमेरिका के विभिन्न हिस्सों से आए 500 से अधिक भारतीय–अमेरिकियों की मौजूदगी में 'जय भीम' के नारों के बीच 19 फुट ऊंचे 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' (समानता की प्रतिमा) का अनावरण किया गया। भारी बारिश और बूंदाबादी के बावजूद लोगों ने पूरे उत्साह एवं ऊर्जा के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यह प्रतिमा प्रसिद्ध कलाकार और मूर्तिकार राम सुतार ने बनाई है। सुतार ने ही सरदार पटेल की प्रतिमा भी बनाई थी, जिसे 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' कहा जाता है। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को गुजरात में सरदार सरोवर बांध के नीचे की ओर नर्मदा में एक द्वीप पर स्थापित किया गया है। आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर' (एआईसी) के अध्यक्ष राम कुमार ने समारोह के बाद 'पीटीआई' से कहा, ''हमने इसे 'स्टैच्यू ऑफ इक्वैलिटी' नाम दिया है ... यह (असमानता की) समस्या केवल भारत में ही नहीं है, यह हर जगह (अलग–अलग रूपों में) मौजूद है।

कांग्रेस ने एमपी, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के लिए जारी की उम्मीदवारों की सूची

राजस्थान और मिजोरम विधानसभा चुनावों के लिए भी कुछ दिनों के भीतर कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची जारी हो सकती है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को क्रमशरू 144, 30 और 55 उम्मीदवारों की घोषणा की, जिनमें कमलनाथ, भूपेश बघेल और ए रेवंत रेड्डी समेत कई बड़े चेहरे शामिल हैं। पार्टी ने नवरात्रि के पहले दिन इन तीनों राज्यों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। राजस्थान और मिजोरम विधानसभा चुनावों के लिए भी कुछ दिनों के भीतर कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची जारी हो सकती है। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश विधानसभा की जिन 144 सीटों के लिए रविवार को उम्मीदवार घोषित किए, उनमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ छिंदवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से ही चुनाव लड़ेंगे। वर्तमान में भी वह इसी सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह को भी उनके वर्तमान विधानसभा क्षेत्र लहार से उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य कमलेश्वर पटेल को सिहावल, पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को राउ और उमंग सिंघार को गंधवानी से टिकट दिया गया है। गत 13 अक्टूबर को कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति ने बैठक कर उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई थी। बैठक के बाद कमलनाथ ने कहा था कि श्राद्ध खत्म होने के साथ ही नवरात्रि के पहले दिन उम्मीदवारों की पहली सूची घोषित की जाएगी। प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब तक 136 सीट पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर चुकी है।

उसने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते तथा पार्टी के कई अन्य सांसदों को मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा जिले के बुधनी से किस्मत आजमाएंगे। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए 17 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतों की गिनती तीन दिसंबर को की जाएगी। वर्ष 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 230 सदस्यीय विधानसभा में 114 सीटें जीती थीं और गठबंधन सरकार बनाई थी। भाजपा को इस चुनाव में 109 सीटें हासिल हुई थीं। हालांकि, ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों के एक गुट के विद्रोह के चलते कमलनाथ अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके और मार्च 2020 में उनके नेतृत्व वाली सरकार गिर गई। सिंधिया गुट के विधायकों के समर्थन से बाद में भाजपा सत्ता में लौटी और शिवराज सिंह चौहान चौथी बार मुख्यमंत्री बने।

कांग्रेस ने घोषित किए 55 उम्मीदवार, रेवंत रेड्डी और विक्रमार्क को मिला टिकट

नयी दिल्ली (एजेंन्सी)। कांग्रेस ने रविवार को तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए 55 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी और विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क तथा कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को कोडंगल विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, विक्रमार्क को मधीरा विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद उत्तम कुमार रेड्डी को हुजूरनगर से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता अंजन कुमार यादव को मुशीराबाद से टिकट दिया गया है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने 13 अक्टूबर को तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई थी। तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटों के लिए एक चरण में 30 नवंबर को मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को की जाएगी। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उसे चुनौती देने का प्रयास कर रही हैं। राज्य में 2018 में हुए पिछले विधानसभा चुनावों में बीआरएस (तत्कालीन टीआरएस) ने 88 सीटें जीतकर अपनी सत्ता बरकरार रखी थी।

पाटन से भूपेश बघेल और अंबिकापुर से सिंहदेव लड़ेंगे चुनाव

पहली सूची की 30 सीटों में से 14 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और तीन अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं

रायपुर (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने राज्य में सत्ता बरकरार रखने के लिए पुराने नेताओं पर भरोसा जताने के साथ ही नये चेहरों को भी मौका देने की कोशिश की है। राज्य में अगले महीने की सात और 17 तारीख को दो चरणों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने रविवार को 30 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी, जिसमें 22 मौजूदा विधायकों के नाम भी शामिल हैं। सूची में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव, विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत समेत सभी मंत्रियों को स्थान दिया गया है। पार्टी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक बैज को भी चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने आठ मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया है और छह नये चेहरों को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। पहली सूची की 30 सीटों में से 14 अनुसूचित जनजाति (एसटी) और तीन अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं। अन्य 13 सामान्य सीटों में से नौ पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों को टिकट दिया गया है। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, मुख्यमंत्री बघेल अपने वर्तमान विधानसभा क्षेत्र पाटन से ही चुनाव लड़ेंगे, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार और उनके रिश्तेदार विजय बघेल उन्हें चुनौती दे रहे हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री सिंहदेव को भी उनके वर्तमान विधानसभा क्षेत्र अंबिकापुर से उम्मीदवार बनाया गया है। राज्य के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू को दुर्ग–ग्रामीण, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत को सक्ती और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा मंत्री मोहन मरकाम को कोंडागांव से टिकट दिया गया है। पार्टी ने चित्रकोट विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक राजमन बेंजाम का टिकट काट दिया है। उनके स्थान पर बस्तर क्षेत्र के सांसद और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला लिया गया है। बैज ने चित्रकोट से 2018 का विधानसभा चुनाव जीता था, लेकिन 2019 में लोकसभा चुनाव में विजयी होने के बाद उन्होंने यह सीट खाली कर दी थी। कांग्रेस उम्मीदवार राजमन बेंजाम ने इस सीट पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल की थी। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के निर्वाचन क्षेत्र राजनांदगांव से उनके खिलाफ कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन को चुनाव मैदान में उतारा है। देवांगन मुख्यमंत्री बघेल के करीबी माने जाते हैं। कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में ही मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्रियों को शामिल किया है।

नवरात्रि पर देशवासियों को पीएम मोदी ने दिया खास तौहफा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नवरात्रि के मौके पर उनके द्वारा लिखा एक 'गरबा' साझा किया और इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख–समृद्धि की कामना की।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर गरबा वीडियो का यूट्यूब लिंक साझा करते हुए लिखा, ''नवरात्रि के पावन अवसर पर, मुझे पिछले सप्ताह लिखा एक गरबा साझा करते हुए खुशी हो रही है। उत्सव की यह धुन सभी को सराबोर करें। मैं इस गरबा को आवाज और संगीत देने के लिए मीत ब्रदर्स, दिव्या कुमार को धन्यवाद देता हूं।'' गुजरात में खासतौर पर नवरात्रि उत्सव के दौरान गरबा नृत्य किया जाता है। लोगों को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शक्ति प्रदायिनी मां दुर्गा हर किसी के जीवन में सुख–समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आएं। जय माता दी।'' नवरात्रि पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है। इसके बाद दशहरे का त्योहार आता है।

सम्पादकीय

सूचनाओं के अभाव की संस्कृति क्यों रची गई है?

यह सब महज एक सप्ताह के भीतर हुआ 2010 के एक वक्तव्य के लिए अरूंधती रॉय को 2023 में मुकदमे का सामना करना पड़ा और न्यूजक्लिक पोर्टल से जुड़े 46 पत्रकारों, सम्पादकों, लेखकों और पेशेवरों के घरों पर छापे मारे गए! मुझे अभी तक यह पता नहीं चला है कि हाथरस दुष्कर्म और हत्याकांड की रिपोर्टिंग के लिए सिद्दीक कप्पन को क्यों दो साल जेल में रखा गया। जो स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं या लोगों तक जरूरी सूचनाएं पहुंचाते हैं, वे लेखक और पत्रकार के रूप में अपना काम ही कर रहे होते हैं। लेकिन उनके अधिकारों पर कुठाराघात किया जा रहा है। सरकार सूचनाएं साझा करने से झिझकती है। उसकी कार्यप्रणाली कुछ ऐसी है कि हर प्लेटफॉर्म पर सूचनाओं का अकाल पैदा कर दे, फिर चाहे वह संसद हो, नीतिगत थिंकटैंक हों, भरोसेमंद सूचनाओं के स्रोत हों या स्वयं उसके मंत्रालय ही क्यों न हों! मैं आपको संसद का उदाहरण देता हूं। अगस्त में एक विशेष सत्र की घोषणा की गई। सत्र का एजेंडा क्या होगा, इस पर रहस्य कायम रखा गया। शुभारम्भ के मात्र दो दिन पूर्व उसे जाहिर किया गया। लेकिन भारत संसदीय लोकतंत्र है, कोई सैन्य–तंत्र नहीं, जहां गोपनीयता कायम रखी जाए। संसदीय लोकतंत्र में सहयोग, सहभागिता और विचारों का लेनदेन जरूरी है। यहां तक कि एजेंडा जाहिर करते समय भी उसमें यह वाक्य जोड़ दिया गया कि इसे सम्पूर्ण न समझा जाए। इसके बाद विशेष सत्र में एक महत्वपूर्ण विधेयक को कुछ इस तरह से पारित किया गया, जैसे वह संसदीय–कार्यवाही का कोरस नहीं, बल्कि एकालाप हो! सूचनाओं के अभाव की यह संस्कृति बहुत समय से प्रभावी है। साल 2021 की गर्मियां कोई भी भूला नहीं है। कोविड–19 से जान गंवाने वाले लोगों का आंकड़ा कहां पर है? महामारी के दौरान कितने डॉक्टरों की मृत्यु हुई थी? शायद सरकार को पता हो, पर वो हमें बताना नहीं चाहती। यह एक ट्रेंड बन चुका है। प्रवासी मजदूरों का मामला हो या किसान आंदोलन के दौरान खेतिहरों की मौतें या भीड़ की हिंसा की वारदातें– हमारे सामने अनुपलब्ध डाटा का पहाड़ मौजूद है! आंकड़ों के खौफ को एरिथमोफोबिया कहा जाता है। सरकार इसी से ग्रस्त मालूम होती है। डाटा छुपाना 'नहीं जानने' की तरह नहीं है, यह जानने के बावजूद 'नहीं बताना' है। जनगणना में पहले ही दो साल की देरी हो चुकी है। यह तो समझा जा सकता है कि 2021 में महामारी के कारण जनगणना नहीं हो सकी थी, लेकिन उसके बाद उसे क्यों नहीं कराया गया? कोविड की दूसरी मारक लहर के दौरान चुनावी रैलियां आयोजित करने की प्रशासकीय अनुमति कैसे मिली या रातोंरात नोटबंदी कैसे कर दी गई, इसका भी कोई हिसाब नहीं। लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए सरकार आज भी 2011 के डाटा पर निर्भर करती है, जिससे एक बड़ी आबादी जरूरी योजनाओं से वंचित रह जाती है। इसी के चलते सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभ 15 करोड़ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। यह किसी बल्लेबाज के टी–20 के प्रदर्शन के आधार पर 50 ओवरों वाले मैच के लिए उसका स्ट्राइक–रेट तय करने जैसा है! यही कारण है कि जब हम वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा भारत की जनसंख्या के 141 करोड़ होने के आकलन को देखते हैं तो हमें 2011 और 2023 के आंकड़ों के बीच 20.7 करोड़ लोगों का अंतर नजर आता है। हालात तब और संगीन हो जाते हैं, जब हम पाते हैं कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कवर किए गए 80 करोड़ लोग भारत की आबादी का 57: ही हैं, जबकि कानून के मुताबिक 67: आबादी को कवर किया जाना था। इन आंकड़ों के पीछे वास्तविक लोग हैं, वास्तविक कहानियां। जैसे कि हुगली जिले की 50 वर्षीय नूपुर हाती, जिन्हें मनरेगा मजदूरी नहीं मिली इसलिए वो अपने लैमिनेटेड जॉब–कार्ड के आसरे हैं। या कर्नाटक के मंजुल शेख, जिनकी करुण–कथा भी इससे मिलती–जुलती है। नागरिकों के बारे में डाटा का अभाव केवल प्रशासकीय संकट ही नहीं, मानवीय संकट भी है। महिला आरक्षण कानून को लेकर चल रही परिसीमन की चर्चाएं डाटा के रहस्य को और गहरा देती हैं। हमें वेलफेयर को उन लोगों का विशेषाधिकार नहीं बनाना चाहिए, जिनके पक्ष में आंकड़े हों। संसद में पूछे जाने वाले अनगिनत प्रश्नों पर भी सरकार का यही जवाब होता है कि उसके पास डाटा नहीं है। इसीलिए एनडीए को अब 'नो डाटा अवेलेबल' कहा जाने लगा है! जब हम वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा भारत की जनसंख्या के 141 करोड़ होने के आकलन को देखते हैं तो हमें 2011 की जनगणना और 2023 के मौजूदा आकलनों के बीच 20.7 करोड़ लोगों का अंतर नजर आता है!

नवरात्र शुरू होते ही चरम पर पहुँचने लगेगा चुनाव प्रचार

नवरात्र आने ही वाले हैं। चुनावी चौसर बिछ चुकी है। घोषणावीर निकल चुके हैं मैदानों की तरफ। ताजा घोषणा मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने की है। पढ़ो और पढ़ाओ योजना। इसके तहत तकरीबन एक करोड़ विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा देने और पाँच सौ से पंद्रह सौ रुपए हर महीने दिए जाने का प्रावधान है। भाजपा अपनी पुरानी किंतु पॉपुलर योजनाओं पर टिकी हुई है। लाड़ली लक्ष्मी, बहना आदि। आम मतदाता की पौ बारह है। दोनों पार्टियाँ जीभर कर लुटा रही हैं। पैसे, सुविधाएँ, सब कुछ। इस बीच भाजपा में अगली सूची में होने वाले कत्लेआम को लेकर चिंताएँ दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस की सूचियाँ लगभग तैयार हैं, लेकिन वह पितृ पक्ष गुजरने की राह तक रही है। तीनों राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के प्रदेश क्षत्रप चिंतित हैं। पहले तो सूची आने में देर हो चुकी है। दूसरा – प्रत्याशियों की घोषणा के बाद उपजने वाले विरोध और नाराजगी से जूझने में उन्हें काफी वक्त लगने वाला है। भाजपा इस तात्कालिक विरोध और नाराजगी के झमेले से तब तक उबर चुकी होगी। समझा जाता है कि उसका प्रचार जल्दी रफ्तार पकड़ लेगा। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो इस सब में कांग्रेस अभी पिछड़ी हुई नजर आ रही है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में फिलहाल कांग्रेस की सरकार है इसलिए जाहिर है कि एंटीइंकमबेंसी भी उसी के खिलाफ होगी। मध्यप्रदेश में कांग्रेस भाजपा के खिलाफ अठारह साल की एंटीइंकमबेंसी को भुनाने में लगी हुई है। कौन, कहाँ, कितना कामयाब होगा, यह तो तीन दिसंबर को ही पता चलेगा जब पाँचों राज्यों के चुनाव परिणाम सामने आएँगे। बहरहाल प्रमुख तीन राज्यों मप्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में लोगों के बीच वैसा उत्साह दिखाई नहीं दे रहा है जैसा पिछले चुनावों में हुआ करता था। कुल मिलाकर जनता अभी शांत है और नेता बेचौन। न तो आम आदमी की इस शांत शैली को सक्रियता में बदलने की किसी के पास कोई दवा है और न ही नेताओं की बेचौनी मिटाने का कोई इलाज किसी के पास है। चुनावी समर अभी ऐसा ही चलेगा। नवरात्र शुरू होते ही अगले रविवार से चुनाव प्रचार अपने चरम पर पहुँचने को बेताब होगा। तभी आम आदमी में भी हलचल मचेगी। गनीमत है कि कोविड का वह समय पार हो चुका, वर्ना ये राजनीतिक दल और ये नेता उस संकट के दौर में भी अपनी रैलियाँ और सभाएं करने से बाज नहीं आते। दोनों पार्टियाँ जीभर कर लुटा रही हैं। पैसे, सुविधाएँ, सब कुछ। इस बीच भाजपा में अगली सूची में होने वाले कत्लेआम को लेकर चिंताएँ दिखाई दे रही हैं। कांग्रेस की सूचियाँ लगभग तैयार हैं, लेकिन वह पितृ पक्ष गुजरने की राह तक रही है। तीनों राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस के प्रदेश क्षत्रप चिंतित हैं। पहले तो सूची आने में देर हो चुकी है। दूसरा – प्रत्याशियों की घोषणा के बाद उपजने वाले विरोध और नाराजगी से जूझने में उन्हें काफी वक्त लगने वाला है। भाजपा इस तात्कालिक विरोध और नाराजगी के झमेले से तब तक उबर चुकी होगी। समझा जाता है कि उसका प्रचार जल्दी रफ्तार पकड़ लेगा। तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो इस सब में कांग्रेस अभी पिछड़ी हुई नजर आ रही है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में फिलहाल कांग्रेस की सरकार है इसलिए जाहिर है कि एंटीइंकमबेंसी भी उसी के खिलाफ होगी। मध्यप्रदेश में कांग्रेस भाजपा के खिलाफ अठारह साल की एंटीइंकमबेंसी को भुनाने में लगी हुई है। कौन, कहाँ, कितना कामयाब होगा, यह तो तीन दिसंबर को ही पता चलेगा जब पाँचों राज्यों के चुनाव परिणाम सामने आएँगे।

भाजपा को कांग्रेस से ज्यादा अपने लोगों की चुनौतियों से जूझना पड़ रहा

मगर सांसदों को विधानसभा चुनाव में टिकट देने से उस क्षेत्र में विरोध की स्थिति पैदा हो गई है। कई क्षेत्रों में प्रत्याशी पिछले पांच साल से चुनाव की तैयारी कर रहे थे। वहां सांसदों को टिकट देने से उनमें नाराजगी व्याप्त हो रही है। राजस्थान के जयपुर में विद्याधर नगर सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी मौजूदा विधायक हैं। उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव करीबन 31232 वोटों से जीता था। उनका टिकट कटने से उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए यहां तक कह दिया कि मेरा टिकट काटकर मुगलों के सामने घुटने टेकने वालों को टिकट देना कहां का इंसाफ है। हालाँकि बाद में राजवी अपने बयान से पलट गए। दीया कुमारी अभी राजसमंद से सांसद हैं तथा 2013 में सवाई माधोपुर से विधायक रह चुकी हैं। जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट से राजपाल सिंह शेखावत का टिकट काट कर उनके स्थान पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन राठौड़ को मैदान में उतारा गया है।

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में अगले विधानसभा चुनाव के टिकटों को लेकर अंदरूनी गुटबाजी सामने आ रही है। आगामी नवंबर महीने में देश के पांच प्रदेशों– मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान व तेलंगाना में विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा ने अभी तक मध्य प्रदेश में 136 सीटों पर छत्तीसगढ़ में 84 सीटों पर व राजस्थान में 41 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर कांग्रेस पर बढ़त तो बना ली है। मगर भाजपा की सूची में बहुत से मौजूदा विधायकों व पूर्व में प्रत्याशी रहे नेताओं के नाम काट दिए जाने से पार्टी में विरोध की स्थिति उत्पन्न हो रही है। विभिन्न चुनावी एजेंसियों द्वारा किये गए सर्वे के आधार पर भाजपा ने पार्टी विरोधी लहर को रोकने के लिए बहुत–सी सीटों पर प्रत्याशियों में फेरबदल किया है। भाजपा द्वारा राजस्थान में 6 लोकसभा व एक राज्यसभा सदस्य को, मध्य प्रदेश में तीन केंद्रीय मंत्रियों सहित सात लोकसभा सदस्यों के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय को मैदान में उतारा गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ में केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह सहित चार सांसदों को चुनाव मैदान में उतर गया है। हालांकि भाजपा ने केंद्रीय मंत्रियों व सांसदों को उन्हीं सीटों पर मैदान में उतारा है जहां पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। मगर सांसदों को विधानसभा चुनाव में टिकट देने से उस क्षेत्र में विरोध की स्थिति पैदा हो गई है। कई क्षेत्रों में प्रत्याशी पिछले पांच साल से चुनाव की तैयारी कर रहे थे। वहां सांसदों को टिकट देने से उनमें नाराजगी व्याप्त हो रही है। राजस्थान के जयपुर में विद्याधर नगर सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी मौजूदा विधायक हैं। उन्होंने पिछला विधानसभा चुनाव करीबन 31232 वोटों से जीता था। उनका टिकट कटने से उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए यहां तक कह दिया कि मेरा टिकट काटकर मुगलों के सामने घुटने टेकने वालों को टिकट देना कहां का इंसाफ है। हालाँकि बाद में राजवी अपने बयान से पलट गए। दीया कुमारी अभी राजसमंद से सांसद हैं तथा 2013 में सवाई माधोपुर से विधायक रह चुकी हैं। जयपुर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट से राजपाल सिंह शेखावत का टिकट काट कर उनके स्थान पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री व जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन राठौड़ को मैदान में उतारा गया है। टिकट काटने पर राजपाल शेखावत के समर्थकों ने भाजपा मुख्यालय पर जाकर जमकर बवाल मचाया। राजपाल शेखावत कई बार विधायक तथा राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ लगातार दो बार जयपुर ग्रामीण से सांसद का चुनाव जीत चुके हैं। अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी को किशनगढ़ से विधानसभा का टिकट दिया गया है। पिछले चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहे विकास चौधरी तो अपने टिकट काटने पर रोने लगे तथा कहा कि पैसों के बल पर टिकट दी गई है। हालांकि भागीरथ चौधरी 2003 व 2013 में किशनगढ़ से विधायक रह चुके हैं। 2018 में उनका टिकट काट दिया गया था। फिर 2019 को उनको अजमेर से लोकसभा का टिकट दिया गया था और वह चुनाव जीत गए थे। झुंझुंनूं के सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ को मंडावा सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। नरेंद्र कुमार मंडावा से चार चुनाव लड़ चुके हैं। जिसमें वह दो बार हारे व दो बार जीते थे। 2018 में उन्होंने भाजपा टिकट पर विधानसभा का चुनाव जीता था। मगर 2019 में उन्होंने सांसद बनने पर विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। जालौर से लगातार तीन बार के सांसद देवजी पटेल को सांचौर से वन मंत्री सुखराम बिश्नोई के सामने मैदान में उतारा गया है। सांचौर से भाजपा एक बार 2003 में ही जीत पाई थी। सांचौर से सांसद देवजी पटेल को टिकट मिलने से वंचित टिकट दावेदारों में आक्रोश है। वहां सांसद के काफिले को लोगों ने बीच रास्ते में रोका व काले झंडे दिखाकर उनका विरोध जताया और काफिले के वाहनों पर पथराव किया जिससे दो से तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। इस उग्र प्रदर्शन से घिरे सांसद देवजी पटेल ने जैसे–तैसे अपनी जान बचायी। राजस्थान में भाजपा के हिन्दुवादी चेहरे अलवर सांसद महंत बालकनाथ को तिजारा से मैदान में उतारा गया हैं। वहां भाजपा के पूर्व विधायक मास्टर मामन सिंह यादव ने बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ने कि घोषणा कर दी है। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा को सवाई माधोपुर सीट से प्रत्याशी बनाया। किरोड़ीलाल मीणा 5 बार विधायक, दो बार लोकसभा सदस्य व एक बार राज्यसभा सदस्य तथा राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। वह एक बार सवाई माधोपुर से विधायक भी रह चुके हैं। राजस्थान में भाजपा ने केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी कि अध्यक्षता में एक कमेटी बनायीं है जो बागी प्रत्याशियों को समझाकर मनायेगी। इस कमेटी ने अपना काम भी शुरू कर दिया है। भाजपा के कई बड़े नेता अलग–अलग जिलों में जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें समझा रहे हैं। मध्य प्रदेश में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को दिमनी, प्रहलाद सिंह पटेल को नरसिंहपुरी, फगन सिंह कुलस्ते को निवास विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं लोकसभा सांसद राकेश सिंह को जबलपुर पश्चिम, गणेश सिंह को सतना, प्रीति पाठक को सीधी और उदय प्रताप सिंह को गाडरवारा से प्रत्याशी बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को इंदौर क्रमांक–1 से प्रत्याशी बनाया गया है। मध्य प्रदेश में अब तक घोषित 136 प्रत्याशियों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम भी शामिल है। छत्तीसगढ़ से केंद्र सरकार में मंत्री रेणुका सिंह को भरतपुर–मोनहता सीट से, सांसद गोमती सांय को पत्थलगांव, सांसद अरुण सांव को लोरमी से प्रत्याशी बनाया गया है। दुर्ग से सांसद विजय बघेल को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने पाटन से प्रत्याशी बनाया गया है। विजय बघेल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भतीजे हैं। वहीं आईएएस अधिकारी रहे ओपी चौधरी को रायगढ़ से व नीलकंठ टेकाम को केशकाल से प्रत्याशी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को भी टिकट दिया गया है। भाजपा अभी छत्तीसगढ़ में कमजोर मानी जा रही है जहां उनके पास मात्र 14 विधायक ही हैं। हिंदी भाषी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में भाजपा की लिस्ट जारी होने के बाद कई सीटों पर पार्टी उम्मीदवारों को बागियों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में भाजपा से विधानसभा का चुनाव लड़ रहे सात सांसदों को टिकट मिलते ही कांग्रेस या अन्य दलों के प्रत्याशियों से पहले अपनी ही पार्टी के लोगों में उभर रहे विरोधा से पार पाना होगा।। इनमें बड़ा नाम तिजारा से बाबा बालकनाथ, किशनगढ़ से भागीरथ चौधरी, सांचौर से देवजी पटेल हैं जो अपनों से ही घिर रहे हैं। बीजेपी मुख्यालय पर राज्यवर्धन गो बैक और विजय बैंसला के लिए बाहरी भगाओ देवली–उनियारा बचाओ के नारे लगे हैं। चुनाव में दीया कुमारी को छोड़कर अन्य सांसदों का कड़ा इम्तिहान है। श्रीगंगानर, बांदीकुई, झुंझुंनूं, कोटपूतली, बानसूर, सुजानगढ़ समेत 10 सीटों पर ऐसे प्रत्याशी हैं जिन्होंने भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा था। गुर्जर नेता कर्नल किरोड़ी सिंह बैसला के बेटे विजय बैंसला को देवली–उनियारा से कड़ी चुनौती मिल सकती है। उन्हें बाहरी बताकर विरोध शुरू हो गया है। भाजपा में कुछ दिनों पूर्व ही घर वापसी करने वाले सुभाष महरिया को सीकर के लक्ष्मणगढ़ में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने उतारा गया है। सहाड़ा से भाजपा प्रत्याशी लादूलाल पीतलिया के सामने कौन लड़ेगा यह तय नहीं है। हालांकि उपचुनाव में उन्होंने जो विरोध किया वह याद दिलाया जा रहा है। उन्होंने अमित शाह के नाम से धमकाने का आरोप लगाया था और कांग्रेस सरकार ने तो पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई थी। ये बातें अब पार्टी के अंदर और विधानसभा क्षेत्र में मुद्दा बन रही हैं।

गांधी जी ने लिखा था, फलिस्तीन पर यहूदियों को थोपना अन्यायपूर्ण

विद्रोह का दूसरा चरण 1937 के अंत में शुरू हुआ और इसका नेतृत्व फलिस्तीनी किसान प्रतिरोध आंदोलन ने किया, जिसने ब्रिटिश सेनाओं और उपनिवेशवाद को निशाना बनाया। 1939 की दूसरी छमाही तक ब्रिटेन ने फलिस्तीन में 30,000 सैनिक तैनात कर लिए थे। इसी कड़ी में अंग्रेजों ने वहां बसने वाले यहूदी समुदाय के साथ सहयोग किया और सशस्त्र समूहों और ब्रिटिश नेतृत्व वाले यहूदी लड़ाकों के 'आतंकवाद विरोधी बल' का गठन किया, जिसे स्पेशल नाइट स्क्वाड नाम दिया गया। फलिस्तीन विभाजन का यूएन प्रस्ताव एक अनुमान के अनुसार 1947 तक यहूदी आबादी फिलिस्तीन में 33 प्रतिशत हो गई थी, लेकिन उनके पास केवल 6 प्रतिशत भूमि थी। संयुक्त राष्ट्र ने अपने संकल्प 181 को अपनाया जिसमें फिलिस्तीन को अरब और यहूदी राज्यों में विभाजित करने का निर्णय लिया गया।

जयसिंह रावत

इजरायल–फलिस्तीनी संघर्ष सदी से भी पुरानी है और इसी तरह के सशस्त्र समाधान के पहले भी प्रयास हो चुके हैं, इसलिए इसका समाधान गांधी दर्शन के आधार पर ही हो सकता है। हालांकि गांधी जी ''हरिजन'' के 26 नवम्बर 1938 के अंक में यहूदियों के प्रति अपनी सहानुभूति जताने के साथ ही फलिस्तीन में यहूदियों को बसाने को अन्यायपूर्ण बता चुके थे। जिस तरह इंग्लैण्ड अंग्रेजों का है, फ्रांस फ्रेंच लोगों का है उसी तरह फलिस्तीन अरब के लोगों का है। गांधी जी ने यहूदियों के प्रति सहानुभूति जताते हुए लिखा था कि जिस तरह हिन्दुओं में हरिजनों के साथ अछूतों जैसा व्यवहार होता है उसी तरह यहूदी इसाई धर्म के अछूत ही हैं जिनके साथ धर्म के आधार पर भेदभाव और अत्याचार होते रहे हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि उन्हें अरब लोगों पर थोप दिया जाए। यहूदी आबादी में वृद्धि के साथ तनाव भी बढ़ता गया इजरायल–फलिस्तीनी संघर्ष एक लंबे समय से चला आ रहा और जटिल भू–राजनीतिक विवाद है जिसकी जड़ें ऐतिहासिक, धार्मिक, राजनीतिक और क्षेत्रीय कारकों से जुड़ी हुई हैं। इजरायली (यहूदी) और फलिस्तीनी (अरब) दोनों का फिलिस्तीन क्षेत्र से ऐतिहासिक संबंध है। यह क्षेत्र सदियों से लेकर प्रथम विश्व युद्ध के बाद इसके पतन तक ओटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। प्रथम विश्व युद्ध के बाद, राष्ट्र संघ ने ब्रिटेन को फलिस्तीन पर शासन करने का अधिकार दिया और उसी के बाद यहां यहूदी आप्रवासन में वृद्धि हुई। यहां 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में जायोनी आंदोलन (जियानिस्ट) का उदय हुआ, जिसका उद्देश्य फलिस्तीन में एक यहूदी मातृभूमि की स्थापना करना था। इसी की प्रतिकृया स्वरूप क्षेत्र में अरब आबादी के बीच अरब राष्ट्रवाद मुखर होता गया। दरअसल, विवाद की असली शुरुआत फलिस्तीन क्षेत्र पर अधिकार मिलने के बाद 2 नवंबर, 1917 को ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश सचिव आर्थर बालफोर द्वारा ब्रिटिश यहूदी समुदाय के प्रमुख लियोनेल वाल्टर रोथ्सचाइल्ड को संबोधित एक पत्र से हुई जिसमें फलिस्तीन में यहूदियों के लिए ''होमलैण्ड'' की स्थापना के लिए ब्रिटिश सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी। दरअसल, यह जायोनी आंदोलन (यहूदियों) को एक ऐसा देश देने का वादा था जहां फलिस्तीनी अरब मूल की 90 प्रतिशत से अधिक आबादी थी। यह क्षेत्र 1923 से लेकर 1948 तक ब्रिटिश हुकूमत के अधीन रहा। उस अवधि के दौरान, अंग्रेजों ने बड़े पैमाने पर यहूदी अप्रवासन की सुविधा दी, जो यहूदी यूरोप में नाजीवाद के अत्याचारों से भाग रहे थे उन्हें यहां बसाया गया। फलिस्तीनी अपने देश की बदलती जनसांख्यिकी और ब्रिटेन द्वारा उनकी भूमि को यहूदी बाशिंदों को सौंपे जाने से जब्त होने से चिंतित थे। क्षेत्र में बढ़ती यहूदी आबादी के फलस्वरूप बढ़ते तनाव के कारण अंततः अरब विद्रोह हुआ, जो 1936 से 1939 तक चला। अप्रैल 1936 में नवगठित अरब राष्ट्रीय समिति ने फलिस्तीनियों से ब्रिटिश उपनिवेशवाद और बढ़ते यहूदी आप्रवासन के विरोधा में एक आम हड़ताल शुरू करने, कर भुगतान रोकने और यहूदी उत्पादों का बहिष्कार करने का आह्वान किया। इस छह महीने की हड़ताल को अंग्रेजी हुकूमत ने बेरहमी से दबा दिया। विद्रोह का दूसरा चरण 1937 के अंत में शुरू हुआ और इसका नेतृत्व फलिस्तीनी किसान प्रतिरोध आंदोलन ने किया, जिसने ब्रिटिश सेनाओं और उपनिवेशवाद को निशाना बनाया। 1939 की दूसरी छमाही तक ब्रिटेन ने फलिस्तीन में 30,000 सैनिक तैनात कर लिए थे। इसी कड़ी में अंग्रेजों ने वहां बसने वाले यहूदी समुदाय के साथ सहयोग किया और सशस्त्र समूहों और ब्रिटिश नेतृत्व वाले यहूदी लड़ाकों के 'आतंकवाद विरोधी बल' का गठन किया, जिसे स्पेशल नाइट स्क्वाड नाम दिया गया। फलिस्तीन विभाजन का यूएन प्रस्ताव एक अनुमान के अनुसार 1947 तक यहूदी आबादी फिलिस्तीन में 33 प्रतिशत हो गई थी, लेकिन उनके पास केवल 6 प्रतिशत भूमि थी। संयुक्त राष्ट्र ने अपने संकल्प 181 को अपनाया जिसमें फिलिस्तीन को अरब और यहूदी राज्यों में विभाजित करने का निर्णय लिया गया। फलिस्तीनियों ने इस योजना को अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें फिलिस्तीन का लगभग 56 प्रतिशत हिस्सा यहूदी राज्य को आवंटित किया गया था, जिसमें अधिकांश उपजाऊ तटीय क्षेत्र भी शामिल था। उस समय, फलिस्तीनियों के पास ऐतिहासिक फलिस्तीन भूभाग का 94 प्रतिशत हिस्सा था और इसमें 67 प्रतिशत आबादी शामिल थी। 14 मई, 1948 को ब्रिटिश शासन समाप्त होने से पहले ही इज्राइली अर्धसैनिक बल ने पहले से ही नए जायोनी (जियोनिस्ट) राज्य की सीमाओं का विस्तार करने का अभियान शुरू कर दिया था। इस अभियान के तहत जायोनी आंदोलन ने ऐतिहासिक फिलिस्तीन के 78 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया। शेष 22 प्रतिशत को अब कब्जे वाले वेस्ट बैंक और घिरे गाजा पट्टी में विभाजित किया गया था। 15 मई 1948 को इजराइल ने अपनी स्थापना की घोषणा कर दी। अगले दिन, पहला अरब–इजरायल युद्ध शुरू हुआ और जनवरी 1949 में इजराइल और मिस्र, लेबनान, जॉर्डन और सीरिया के बीच युद्धविराम के बाद लड़ाई समाप्त हो गई। दिसंबर 1948 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 194 पारित किया, जो फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए वापसी के अधिकार की मांग करता है। कम से कम 150,000 फिलिस्तीनी नव निर्मित इजराइल राज्य में रहे और अंततः उन्हें इजराइली नागरिकता प्रदान करने से पहले लगभग 20 वर्षों तक कड़े नियंत्रण वाले सैन्य कब्जे में रहे। 1964 में फलिस्तीनी मुक्ति संगठन (पीएलओ) का गठन किया गया था, और एक साल बाद, फतह राजनीतिक दल की स्थापना की गई थी। 5 जून, 1967 को, अरब सेनाओं के गठबंधन के खिलाफ छह दिवसीय युद्ध के दौरान इजराइल ने गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक, पूर्वी येरुशलम, सीरियाई गोलान हाइट्स और मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप सहित ऐतिहासिक फलिस्तीन के बाकी हिस्सों पर कब्जा कर लिया। दिसंबर 1967 में फलिस्तीन की मुक्ति के लिए मार्क्सवादी–लेनिनवादी पॉपुलर फ्रंट का गठन किया गया था। फलिस्तीनी विद्रोह और हमास का जन्म पहला फलिस्तीनी इंतिफादा (विद्रोह) दिसंबर 1987 में गाजा पट्टी में तब भड़का जब एक इजरायली ट्रक और फलिस्तीनी श्रमिकों को ले जा रही दो वैनों की टक्कर में चार फलिस्तीनी मारे गए थे। प्रतिकृया स्वरूप युवा फिलिस्तीनियों द्वारा इजरायली सेना के टैंकों और सैनिकों पर पथराव के साथ विरोध प्रदर्शन तेजी से वेस्ट बैंक में फैल गया। इससे हमास आंदोलन की स्थापना भी हुई, जो मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा थी, जो इजरायली कब्जे के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध में लगी हुई थी। 1988 में, अरब लीग ने पीएलओ को फलिस्तीनी लोगों के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में मान्यता दी। ओस्लो वर्ष और फलिस्तीनी प्राधिकरण इंतिफादा के फलस्वरूप 1993 में ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर करने और फलिस्तीनी प्राधिकरण (पीए) के गठन के साथ समाप्त हुआ। इसमें कब्जे वाले वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी के इलाकों में फलिस्तीनियों को सीमित स्वशासन प्रदान किया गया था।

बदलावों को भांपकर भविष्य की बिजनेस संभावनाएं जान सकते हैं

बिजनेस से जुड़े घटनाक्रमों पर नजर रखने वालों का कहना है कि भारत के फूड डिलीवरी बाजार में जुलाई–सितंबर के दौरान 10: की दर से क्रमिक वृद्धि हुई। जुलाई से सितंबर में बारिश का सीजन किसी भी बिजनेस के लिए आमतौर पर कमजोर माना जाता है। पर 2023 में इस दौरान डिलीवरी बिजनेस में अच्छी–खासी वृद्धि हुई। उदाहरण के लिए स्विगी के ऑर्डर में जुलाई में 7: की ग्रोथ रही, अगस्त में 6: और इसके बाद वाले महीने में 7: की ग्रोथ रही। इसी तरह जोमैटो के वॉल्यूम में भी जुलाई में 2: और अगस्त में 4: की ग्रोथ रही। अगर हम जुलाई व अगस्त के आंकड़े सितंबर तक बढ़ाकर देखें तो जुलाई–सितंबर की अवधि में 10: तिमाही–दर–तिमाही वृद्धि दिखती है। बाजार के लिए यह सकारात्मक रूप से चौंकाने वाला रहा, क्योंकि आईपीएल नहीं होने के मद्देनजर दूसरी तिमाही में बाजार कमजोर ही रहता है, जिससे पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में मजबूत वृद्धि हुई। इसके अलावा दूसरी तिमाही में जोमैटो के कुल ऑर्डर के मूल्य में क्रमिक रूप से 7: की वृद्धि हुई, जो कि कंपनी की खुद की आम सहमति से बेहतर है। फूड डिलीवरी बिजनेस में दो ही कंपनियों का कब्जा है, इसमें जोमैटो और स्विगी हैं। दूसरी तिमाही की वृद्धि को सामान्य मानकर खारिज न करें कि बारिश में आमतौर पर लोग बाहर जाकर खाना नहीं चाहते और इसलिए घर पर खाना मंगा लेते हैं। अगर आप ऊपर बताए आंकड़ों पर गौर करें, तो साफ पता चलता है कि फूड डिलीवरी का बिजनेस अगस्त के महीने में बढ़ा, जबकि इस महीने में बारिश लगभग नदारद थी। इससे क्या संकेत मिल रहा है? हमारे देश की एक बड़ी आबादी, वह भी युवा, जो बाहर खाना चाहते हैं, वे बाहर न जाकर भी बाहर ही खा रहे हैं! ऊपर दिए गए आंकड़े इसके सबूत हैं। दूसरी ओर ओटीटी की बड़ी संख्या में खपत हो रही है। विभिन्न ओटीटी चौनल्स पर हर हफ्ते कम से कम पांच फिल्में या सीरीज रिलीज हो रही हैं, मनोरंजन के क्षेत्र में जिस तरह से बाढ़ आ रही है, यह उसकी बानगी है। सिनेमाघरों में हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्मों से इसकी तुलना करें। मनोरंजन अब छोटी स्क्रीन से होते हुए हर किसी के लिविंग रूम तक पहुंच गया है, खेल स्पर्धाएं और मनोरंजन चौनल्स भारतीय दर्शकों को व्यस्त रख रहे हैं। 'शांत शहर' का तमगा हासिल करने वाली छोटी जगहें दुर्भाग्य से अब बढ़ती वाहन खरीदी से यह खिताब गंवा रही हैं और भले देर रात तक नहीं, लेकिन 9 बजे तक सड़कों का पूरी क्षमता से इस्तेमाल हो रहा है, रोजमर्रा की भाषा मेंजिसे हम ट्रैफिक जाम कहते हैं। इन सब बदलावों को देखकर आपको महसूस हो रहा है कि जीवन जीने के 'काउच पोटैटो' तरीके (एक ही जगह पर बैठकर घंटों टीवी देखना) से हममें जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं? मैं सीधो तौर पर इसका जवाब नहीं देना चाहता, पर इस हफ्ते जारी हुई '360 वन वेल्थ–हुरुन इंडिया' रिपोर्ट 2023 आपके सामने रखना चाहता हूं। इसमें बताया गया कि भारत में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत रूप से 133 रईस बिजनेसमैन फार्मा इंडस्ट्री से हैं। इंडस्ट्री के आधार पर 2023 की रिच लिस्ट में पांचवें क्रम पर धनी 73 लोग ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री से हैं।

पहले व पांचवें के बीच बड़ी संख्या में धनी लोग केमिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स, इंडस्ट्री उत्पादन और सॉफ्टवेयर सर्विस जैसी इंडस्ट्री से हैं। अगर आप एक ऐसी इंडस्ट्री की तलाश में हैं, जो आपके निवेश पर नियमित रूप से रिटर्न दे, तो मौजूदा आबादी की जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित करें। आपको सही अंदाजा लग जाएगा कि दुनिया या हमसे जुड़ा समाज किस ओर जा रहा है। इससे आपको पर्याप्त संकेत मिल जाएंगे कि पैसे कैसे बनाए जाएं। फंडा यह है कि अगर आपमें बाज की नजर और तेज दिमाग है, तो आसानी से इन बदलावों को समझ सकते हैं– फिर चाहे बदलाव अच्छे हैं या बुरे, इससे आपको आपकी क्षमताओं के आधार पर भविष्य की बिजनेस संभावनाओं के लिए एक खाका खींचने में मदद मिलेगी। बाजार के लिए यह सकारात्मक रूप से चौंकाने वाला रहा, क्योंकि आईपीएल नहीं होने के मद्देनजर दूसरी तिमाही में बाजार कमजोर ही रहता है, जिससे पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में मजबूत वृद्धि हुई। इसके अलावा दूसरी तिमाही में जोमैटो के कुल ऑर्डर के मूल्य में क्रमिक रूप से 7: की वृद्धि हुई, जो कि कंपनी की खुद की आम सहमति से बेहतर है। फूड डिलीवरी बिजनेस में दो ही कंपनियों का कब्जा है, इसमें जोमैटो और स्विगी हैं।

न्यू इंडिया इन द 21 सेंचुरी किताब का विमोचन अमेरिका में हुआ

विश्व नेताओं और नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं ने डॉ. शिशिर श्रीवास्तव की नवीनतम पुस्तक का विमोचन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लॉस एंजेल्स, अमेरिका। 'डॉ. शिशिर श्रीवास्तव द्वारा लिखित श्21वीं सदी में नया भारतरू 2050 तक विकसित भारत के लिए 21 दृष्टिकोणश का आज होटल ली मेरिडियन, पासाडेना अर्काडिया में त्रिनिदाद के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम एंथोनी कार्मोना और टोबैगो, लेसोथो के पूर्व प्रधान मंत्री महामहिम पाकलिथा बी. मोसिली, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता अब्देसतार बेनमौसा और जेरी व्हाइट के द्वारा पुस्तक का विमोचन 13 अक्टूबर 2023 को किया गया। लेखक को यहां लॉस एंजिल्स, अमेरिका में प्रेम और शांति के विश्व नेता शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

पुस्तक की सराहना में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व में लिखे एक पत्र में कहा था किरू ष्इस पुस्तक का उद्देश्य भारत के बच्चों और युवाओं को ज्ञान और दूरदृष्टि से सशक्त बनाना है। यह भविष्य के भारतीयों के लिए उपयोगी और प्रेरणादायक साबित होगी।

श्न्यू इंडिया इन द 21 सेंचुरीश पुस्तक में लेखक, डॉ शिशिर श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री मोदी जी को 21वी सदी के नए भारत के राष्ट्रपिता का पद दिया है क्योकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत आर्थिक महाशक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है तथा सम्पूर्ण जगत उसे एक विश्व गुरु के रूप में देख रहा है। मोदी जी ने एक प्रधान सेवक के रूप में रात दिन परिश्रम कर 140 करोड़ भारतवासियों के ह्रदय में एक नए भारत के स्वप्न निर्माण के लिए आशा की किरण उत्पन्न करी है।

पुस्तक की सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, कैबिनेट मंत्री पीयूष गोयल, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर, डॉ. एमएस स्वामीनाथन, डॉ. विक्रम सिंह, बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और डॉ. जगदीश गांधी ने की है।

डॉ. शिशिर श्रीवास्तव 23 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों, करियर परामर्श और प्रेरक भाषण में एक अत्यधिक सम्मानित व्यक्ति हैं। उनके पास हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और जिनेवा स्कूल ऑफ डिप्लोमेसी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से योग्यता है। डॉ. श्रीवास्तव ने शिक्षा और परामर्श में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, खासकर 61,000 छात्रों के साथ दुनिया के सबसे बड़े स्कूल सिटी मोंटेसरी स्कूल (सीएमएस) में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के आयोजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डॉ शिशिर श्रीवास्तव एक मोटिवेशनल स्पीकर, लेखक, कवि और करियर काउंसलर हैं। उनका जन्म 26 सितंबर 1977 को लखनऊ में डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव और नीरजा श्रीवास्तव के घर हुआ था। डॉ श्रीवास्तव की पहली कविताएँ टाइम्स ऑफ इंडिया में तब छपीं जब वह 16 साल के थे। उन्होंने चार पुस्तकें लिखी हैं।

एक कुशल लेखक के रूप में, उनकी उल्लेखनीय कृतियों में श्द एइट पॉवर्स विदिन यूश और श्ऊठो युवाश शामिल हैं, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रशंसा मिली। उनकी पहली पुस्तक श्द एट पॉवर्स विदिन यूरू योर गाइड टू सक्सेसश (पेंगुइन बुक्स, जून 2010) लॉन्च होने के तीन महीने के भीतर इंडियन टुडे की नॉन–फिक्शन बेस्टसेलिंग सूची में आ गई और इसका चार भाषाओं में अनुवाद किया गया। उनकी दूसरी पुस्तक श्द पावर ऑफ प्रेयरश 2011 में एक ईबुक के रूप में प्रकाशित हुई थी। 2013–14 में, उन्होंने डॉ किरण बेदी के साथ श्यूथ फॉर यूथश का सह–लेखन किया, एक ई–बुक जिसमें 101 युवा पुरुषों और महिलाओं की आवाजें शामिल हैं। श्भ्रष्टाचारश और श्महिला सुरक्षाश के मुद्दे। ष्उठो युवाष उनकी चौथी पुस्तक थी जिसमे युवाओं को प्रेरित करने के लिए कविताएँ लिखी गयी हैं और इस किताब का विमोचन 04 अप्रैल 2016 को भाजपा के भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा वर्तमान में भारत के गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा किया गया था।

डॉ. श्रीवास्तव को कई प्रतिष्ठित उपाधियाँ और पुरस्कार से नवाजा गया हैं, जिनमें श्ग्लोबल फ्रेंड ऑफ वर्ल्ड्स चिल्ड्रेनश और श्मैन ऑफ द ईयरश जैसे अवार्ड शामिल हैं। उनके बारे में अधिक जानकारी उनकी वेबसाइट www-drshishir-in पर पाई जा सकती है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

सौमित्र सक्सेना

9599791343

saumitra-saÛena5@gmail-com

एल. पी. सी. राजाजीपुरम ने मनाया वसुधैव कुटुम्बकम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, ए– ब्लॉक, राजाजीपुरम ने वसुधैव कुटुम्बकम, विषयवस्तु पर अपना वार्षिकोत्सव मनाया। संस्थापक महाप्रबंधक डॉ एस. पी. सिंह ने मुख्य अतिथि मा० पूर्व न्यायाधीश आदर्श कुमार सिंह का स्वागत किया। छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से पूरा विश्व एक परिवार है, की विचारधारा को मंच पर जीवंत किया। इस अवसर पर कर्बला तालकटोरा के सचिव सैय्यद फैजी विशिष्ट अतिथि, पूर्व एम. एल. सी. कान्ति सिंह, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, निदेशक नेहा सिंह, उपनिदेशक मीना टांगड़ी, प्रिंसिपल्स भारती गोसाईं, नवनीत कौर, मुख्य निरीक्षक संजय प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक योगेश कुमार गुप्ता, मीडिया हेड विजय मिश्रा, अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे।

इंटरनेट एडिक्शन एक मनोवैज्ञानिक बीमारीः प्रो. अजय प्रताप सिंह

साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूकता जरूरी: डॉ. मनोज मिश्र

स्वयं से करें इंटरनेट पर अपनी निजता का निर्धारण: डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन के कांफ्रेंस हाल में सोमवार को जनसंचार विभाग एवं साइबर क्लब द्वारा साइबर अपराध से बचाव हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि लोगों में इंटरनेट एडिक्शन बढ़ता जा रहा है। मनोविज्ञान में अब डीएसएम 5 के तहत इंटरनेट एडिक्शन एक बीमारी के अंतर्गत आ गई है। उन्होंने कहा कि असली दुनिया को छोड़कर इंटरनेट की आभासी दुनिया में लोग अपना बहुत सारा समय अनावश्यक बर्बाद कर रहे हैं और साइबर अपराध के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें यह तय करना होगा कि इंटरनेट फ्री है या हम फ्री हैं।

जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने कहा कि समय बदल रहा है। मोबाइल और इंटरनेट हमारे जीवन का अभिन्न अंग बनते जा रहे हैं। आए दिन साइबर अपराध के मामले हमारे आस–पास सुनने को मिलते है। ऐसे में आवश्यकता है कि हम स्वयं से सावधान रहें। उन्होंने कहा कि अगर हमारे साथ साइबर अपराध हो जाता है तो हमें बिना किसी डर या शर्म के उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध से बचने के लिए जागरूकता ही महत्वपूर्ण है।

मुख्य वक्ता साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि इंटरनेट पर हमें अपनी निजता स्वयं से निर्धारित करनी होगी। सोशल मीडिया पर जिन लोगों से परिचित न हों उनके रिक्वेस्ट या मैसेज पर कभी भी प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने तमाम तरह के साइबर अपराधों के बारे में बताया और बचाव हेतु सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि अपनी किसी भी निजी तस्वीर को साझा नहीं करना चाहिए। वित्तीय साइबर फ्रॉड होने पर भारत सरकार द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तत्काल संपर्क करें।

कार्यक्रम का संचालन संस्कार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनु त्यागी, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. राहुल राय और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

भारत विकास परिषद शौर्य ने आयोजित की वृहद भारत को जानो प्रतियोगिता

शौर्य शाखा द्वारा आयोजित प्रतियोगिता राष्ट्रहित में एक सराहनीय प्रयास : डा. सुभाष सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में तथा डा. अरूण मिश्र के सहयोग से भारत को जानो प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण का भव्य समारोह मोहम्मद हसन डिग्री कालेज के सभागार में आयोजित किया गया।

केकार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डा. सुभाष सिंह जिला संघ चालक (आरएसएस), विशिष्ठ अतिथि के रूप में प्रो. अजय द्विवेदी डीन प्रबंध संकाय पूर्वांचल विश्व विद्यालय तथा नगर धशिक्षा अधिकारी डा. आनंद कुमार सिंह के हाध्थों भारत माता व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्पण तथा ध्दीप प्रज्वलित करके किया गया।

तत्पश्चात महिला संयोजिका ज्योति श्रीवास्तव के द्वारा वंदे मातरम ध्गीत गाया गया। अध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय द्वारा निर्णायक मण्डल के रूप में उपस्थित अवधेश गिरी, डा. पंकज सिंह, जयशंकर सिंह, डा. राजेश, अतुल जायसवाल तथा नारायण चौरसिया का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में शौर्य शाखा के कार्यों की सराहना की। उन्होंने संघ की पंचमुखी कार्य योजना कुटुम्ब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्वभाव का जागरण तथा नागरिक कर्तव्य के विषय में विस्तार से बताया। विशिष्ठ अतिथि प्रो. अजय द्विवेदी ने भारत को जानो इस विषय पर सम्पूर्ण भारतवर्ष की सांस्कृतिक ध्गतिविधियों साथ ही साथ आधुनिक तध्कध्नीकि पर भी विस्तृत चर्चा की। विशिष्ठ अतिथि डा. आनन्द सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज इस प्रतियोगिता में जो बच्चे स्थान न प्राप्त कर सके उनको निराश नहीं होना चाहिए उन्होनें अपने अपने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है जो स्वागत योग्य है। संस्थापक अध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय ने कहा कि भारत को जानो इस प्रतियोगिता में शौर्य शाखा के प्रयास से कुल 22 विद्यालय के 1460 बच्चों ने प्रतिभाग किया है, जो अभीतक पूरे काशी प्रान्त में सर्वाधिक संख्या है, उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यालय से कुल चुने गये 105 छात्रो ने मुख्य परीक्षा में प्रतिभाग किया है जिसमे से आज विजेता का निर्णय किया जायेगा। संस्था द्वारा प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले को 11 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले को 51 सौ रूपये, घ्तृतीय प्ररस्कार प्राप्त करने वाले को 21 सौ रूपये दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि दायित्व ग्रहण से लेकर अपने हर कार्यक्रम में शौर्य शाखा ने प्रान्त क्षेत्र और राष्ट्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये है।

प्रकल्प प्रमुख आनन्द अस्थाना तथा सह प्रकल्प प्रमुख संदीप चौध्री ने कहा कि अध्यक्ष डा. संदीप पाण्डेय के मार्ग दर्शन में हम सब उनके साथ खड़े है। प्रतियोगिता की समाप्ति पर निर्णायक मण्डल द्वारा विजेताओं की उदघोषणा की गई। जिसमें डी.बी.एस. इण्टर कालेज के छात्र अनन्त प्रकाश मौर्य, निखिल मिश्रा को प्रथम पुरस्कार, डी.बी.एस. इण्टर कालेज के ही वैष्णवी मिश्रा, अंशिका तिवारी को द्वितीय पुरस्कार तथा टी.डी. इण्टर कालेज के अंकिता सोनी व विद्या दूबे को तृध्तीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। सभागार में उपस्थित सभी लोगों ने बच्चों को शुभकामनाएं दी।

इस कार्यक्रम में डा. मनोज वत्स, ब्रम्हेश शुक्ल, संतोष त्रिपाठी, धर्मवीर मोदनवाल, दिलीप शुक्ल, ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, लक्ष्मी नारायण तिवारी, विमल सिंह, अनिल गुप्ता, ऋषिकेश दूबे, जर्नादन पाण्डेय, प्रमोद सैनी, डा. अमरनाथ पाण्डेय, चन्द्रशेखर निषाद, प्रशान्त सिंह लकी, राजीव श्रीवास्तव, अवनीश यादव, अनिल सिंह, सुजीत यादव, राहुल अग्रहरि, देवी सेवक शुक्ल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हर्षित गुप्ता ने किया व सचिव डा. आनन्द प्रकाश ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाजपा का मजबूत संगठनात्मक ढांचा किसी भी चुनौती में परिणाम देने में सक्षम : राकेश त्रिवेदी

सांसद, विधायक से लेकर सभी जनप्रतिनिधि घर-घर सम्पर्क कर मतदाता पुनरीक्षण के कार्य में जुटेगें: पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला में वोटर चेतना महाभियान चलाएगी सोमवार को पार्टी के कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में वोटर चेतना महाअभियान की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी डा राकेश त्रिवेदी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएलसी बृजेश सिंह प्रिन्सु एवं लोकसभा प्रभारी अमरनाथ यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। बैठक में वोटर चेतना महाअभियान के माध्यम से घर–घर सम्पर्क करके मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य में जुटने के लिए माइक्रोप्लानिंग साझा की गई।

मुख्य अतिथि डा राकेश त्रिवेदी ने कहा कि वोटर चेतना महाभियान प्रत्येक दहलीज पर पहुंचने का अभियान है प्रत्येक 18 वर्ष की आयु को पूर्ण कर चुके युवाओं, विवाह होने के बाद परिवर्तित निवास स्थान, बूथ से अन्यत्र निवास करने वाले तथा बूथ पर नए आये मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने या नाम कटने का कार्य तथा दिवंगत मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटवाने का कार्य वोटर चेतना महाभियान के माध्यम से करना है। उन्होंने आगे कहा कि आगामी दिनों में होनी वाली मंडल कार्यशालाओं में पूर्ण जानकारी पार्टी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने का काम करें। ताकि मतदाता पुनरीक्षण का कार्य सफल हो और प्रत्येक पात्र व्यक्ति मतदाता बन सके। अभियान में पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा प्रत्येक जनप्रतिनिधि की सहभागिता सुनिश्चित किया जाए। भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव में तमाम दलों के गठबंधन के बावजूद भाजपा को 50 फीसदी से ज्यादा वोट मिला था। नगरीय निकाय, पंचायत तथा सहकारिता के चुनावों में भाजपा ने ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है। ऐसे में भाजपा का मजबूत संगठनात्मक ढांचा किसी भी चुनौती को स्वीकार करके परिणाम देने में सक्षम है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने आगामी 16 व 17 अक्टूबर को वोटर चेतना महाभियान के तहत मंडल स्तर पर आयोजित होने वाली कार्यशालाओं तथा अभियान की विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 18 व 20 अक्टूबर को मंडल कार्यशालाओं के माध्यम से मतदाता पुनरीक्षण के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। 27 अक्टूबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट चुनाव आयोग द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। 29 अक्टूबर को मन की बात कार्यक्रम सुनने के पश्चात् पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सांसद, विधायक से लेकर सभी जनप्रतिनिधि घर–घर सम्पर्क कर मतदाता पुनरीक्षण के कार्य में जुटेगें। अभियान से प्रत्येक कार्यकर्ता को जोड़ने का कार्य करना है। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर से 05 नवम्बर तक तथा 25 नवम्बर से 03 दिसम्बर तक घर–घर सम्पर्क का विशेष अभियान चलाकर पार्टी एक–एक मतदाता से सम्पर्क करेगी। 9 दिसंबर से 26 दिसम्बर तक आपत्ति करना हैं और आपत्ति का निस्तारण करते वोटर लिस्ट का प्रकाशन 5 जनवरी को हो जायेगा। एमएलसी बृजेश सिंह प्रिन्सु ने कहा कि हमारी सरकार हमारे राष्ट्र को सशक्त बना रही है और समृद्धि की नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। आज मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई राजनीति की शुरुआत हुई है जिसने आम नागरिकों की भावना को समेट लिया। 2024 का चुनाव हमारे लिए बड़ा चुनाव होने वाला है। आज सारे विपक्षी दल भाजपा सरकार को हार का मुंह दिखाना चाहते हैं। सारे राजनीतिक दल भले हमारे खिलाफ हों लेकिन आम जनता हमारे साथ है।

लोकसभा प्रभारी अमरनाथ यादव ने कहा कि नव मतदाताओं से सम्पर्क करके उन्हें पार्टी से जोड़कर 2024 लोकसभा चुनाव की विजय आसान होगी और भाजपा प्रदेश में 80 सीटों पर विजय के लक्ष्य को प्राप्त करेगी। पार्टी के अनुशासित व समर्पित कार्यकर्ताओं को सतत सम्पर्क व सतत संवाद की भाजपा परम्परा के साथ फिर एक बार घर–घर दस्तक देना है। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने की। तथा वोटर चेतना महाअभियान के संयोजक संतोष सिंह ने अभियान की योजना रचना प्रस्तुत की। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ई अमित श्रीवास्तव सुधाकर उपाध्याय रवीन्द्र सिंह राजू दादा राज पटेल अवधेश यादव डा रामसूरत मौर्य शशि मौर्य बृजेश यादव धीरू सिंह अजीत प्रजापति भूपेन्द्र सिंह विपिन द्विवेदी ओमप्रकाश सिंह आमोद सिंह रोहन सिंह अम्बरीश धर द्विवेदी नरेन्द्र उपाध्याय रागिनी सिंह अनिल गुप्ता दिव्यांशु सिंह अजय सरोज अजय सिंह जितेंद्र सिंह राजकुमार जायसवाल आशीष गुप्ता पंकज सिंह प्रबुद्ध दुबे मण्डल अध्यक्ष गण विनोद शर्मा बलबीर गौड़ विनोद मौर्य लवकुश सिंह अजय मिश्रा शैलेस सिंह भूपेश सिंह अमित श्रीवास्तव विकास शर्मा राजकेशर पाल मदन सोनी धर्मेंद्र मिश्रा भीम सिंह संतोष गुप्ता मण्डल महामंत्री सिद्धार्थ सिंह दिनेश सिंह उमेश सिंह चिंताहरण शर्मा देवी प्रसाद सिंह जितेंद्र उपाध्याय अतुल तिवारी अजीत सिंह विकास सहित शैलेन्द्र दुबे सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किये गये जौनपुर के डॉ दिनेश गुप्ता

नई दिल्ली। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर , नई दिल्ली मे आयोजित "राजनीति की पाठशाला" संस्था द्वारा आयोजित पूर्व राष्ट्रपति व मिसाइल मैन ऑफ इंडिया डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के जयंती पर ष्कलाम को सलामष कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ प्रमोद के सिंह , मुख्य अतिथि दिल्ली के पूर्व मेयर आदेश गुप्ता और विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश शिक्षक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया ष मुख्य अतिथि दिल्ली के पूर्व मेयर आदेश गुप्ता ने कहा कि हर साल 15 अक्टूबर को शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में "विश्व छात्र दिवस" मनाया किया जाता है । एक महान विचारक, लेखक और वैज्ञानिक कलाम साहब की आज 92वीं जयंती है. भारत के मिसाइलमैन कहे जाने वाले डॉ एपीजे अब्दुल कलाम देश के 11वें राष्ट्रपति, एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, शिक्षक और लेखक थे. एक टीचर के नाते वे हमेशा छात्रों के साथ जुड़े रहे, उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहे. छात्रों के साथ उनके इसी बंधन को सेलिब्रेट करने के लिए हर साल 15 अक्टूबर को वर्ल्ड स्टूडेंट्स डे मनाता जाता है । विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश शिक्षक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने कहा

शिक्षा के प्रति डॉ. कलाम साहब की प्रतिबद्धता इतनी अटूट थी कि वे भारत के राष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त करने के तुरंत बाद अपने बतौर अध्यापक छात्रों के बीच लौट आए. उनका मानना था कि शिक्षक छात्रों के चरित्र को आकार देने, मानवीय मूल्यों को स्थापित करने, प्रौद्योगिकी के माध्यम से उनकी सीखने की क्षमताओं को बढ़ाने और आत्मविश्वास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इस तरह उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भविष्य का सामना करने के लिए तैयार करते हैं ष अन्य विशिष्ट अतिथि पूर्व उच्च न्यायालय मुंबई के न्यायाध्ीश वी जी कोलसे पाटिल आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया ष इस अवसर पर हिंदुस्तान के अलग–अलग राज्यों से आए हुए 30 प्रतिभावान, समाज सेवक राजनीतिक, व्यावसायिक, पत्रकारिता, प्रशासनिक क्षेत्र में विशेष एवं उल्लेखनीय कार्य हेतु डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया गया ष उत्तर प्रदेश के जौनपुर में स्वास्थ क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतू डॉ दिनेश गुप्ता को "डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल अवार्ड" से सम्मानित किया गया ष कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए "राजनीति की पाठशाला" के प्रदेश अध्यक्ष व मुंगराबादशाहपुर विधान सभा के कांग्रेस पूर्व प्रत्याशी डॉ प्रमोद के सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया में युवाओं के लिए डॉक्टर कलाम प्रेरणा के स्रोत हैं।

समाजवादी छात्र सभा के नए नियुक्त किए गए इकाई अध्यक्ष दार्शनिक धीरज का छात्रों ने किया भव्य स्वागत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजवादी छात्र सभा के नए नियुक्त किए गए इकाई अध्यक्ष दार्शनिक धीरज का स्वागत कार्यक्रम समाजवादी छात्र सभा ने विश्वविद्यालय में रखा। मौके पर छात्र सभा के तमाम कार्यकर्ताओं के साथ दार्शनिक धीरज ने सर्वप्रथम मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर फूल और माला चढ़ाकर आशीर्वाद लिया व गेट नंबर 01 से डॉ राम मनोहर लोहिया जी की प्रतिमा तक कार्यकर्ताओं ने जोरों शोरों के साथ नारेबाजी करते हुए काफिला काफिला चलाया। इस उपलक्ष्य में दार्शनिक धीरज ने कहा कि उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी द्वारा चुना गया है। साथ ही आने वाले समय में लखनऊ विश्वविद्यालय की हर फैकल्टी में यूनिट वाइज तरीके से संगठन तैयार करेंगे व पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

राजे विकल जी की स्मृति में उनके पैतृक गांव रायपुर में विनोबा सेवा आश्रम द्वारा लगाया गया स्वास्थ्य मेला : बिशन कुमार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। व्यक्ति की जीवन यात्रा विराम या जारी रखना उसके हांथ में भले नहीं है लेकिन उसको लोग जीवन के बाद भी याद करें यह उसके हांथ में है। व्यक्ति के अच्छे कामों को समाज कई सदी तक याद रखता है। शहीद नगरी के वीर रस के प्रख्यात राष्ट्रीय कवि राजबहादुर विकल के जन्मगाँव रायपुर के लोगों ने आज हुआवे और कैफ इंडिया के माध्यम से वोडोहार्ट संस्था के सौजन्य से विनोबा सेवा आश्रम बरतारा की ओर से मोबाइल हेल्थ क्लीनिक वैन जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं देने का कार्य कई माह से कर रही है। वह सचल अस्पताल आज जब विकल जी के पैतृक गांव रायपुर पहुंचा। तो गांव के लोगों ने वैन पर सेवा देने पहुंचे एम बी बी एस डा पंकज कुमार मीणा, फार्मेसिस्ट डा संजीव कुमार सक्सेना , विनोबा सेवा आश्रम के निदेशक श्री बिस्शन कुमार और सहयोगी अभिषेक कुमार का जन सेवा केंद्र रायपुर में स्वागत हुआ। जनसेवा केंद्र रायपुर के प्रभारी देवेंद्र सिंह ने कहा कि यह गांव आज बहुत खुश है कि यहां की सरजमीं पर पैदा हुए श्री राजबहादुर विकल का नाम देश में काव्यक्षेत्र में रोशन हुआ। यहां का बच्चा बच्चा अपने को।गौरवान्वित महसूस करता है। गांव के ही पूर्व प्रधानाध्यापक ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि विनोबा सेवा आश्रम इस प्रकार के सेवा कार्य गत चालीस वर्ष से करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि विनोबा सेवा आश्रम संस्था ने जिस गांव को सेवा के लिए चुना है उस गांव का सामाजिक आर्थिक और नैतिक विकास अवश्यंभावी है। इसका जीता जागता प्रमाण गत वर्ष माननीय राज्यपाल महोदय का गांव छीतेपुर में आना हुआ था। विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक श्री रमेश भइया से हुई वार्ता के आधार पर बिशन कुमार ने कहा कि गांव रायपुर में विकल सेवा केंद्र की शुरुआत की जायेगी। और गांव के लोगों ने इस केंद्र हेतु जगह उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक श्री रमेश भइया ने आज अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आश्रम के सारे कामों में दो महान विभूतियों का आर्शीवाद संरक्षक रूप में प्रतिक्षण मिला है । उनमें स्थानीय स्तर पर पहला नाम विकल जी का है और दूसरा नाम राष्ट्रीय स्तर पर सुश्री निर्मला देशपांडे दीदी का है जिनकी 95 वीं जयंती कल 17 अक्तूबर को विनोबा सेवा आश्रम मनाने जा रहा है। कल छीतेपुर में स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जाएगा। आज रायपुर में श्री रामपाल, सुबोध गुप्ता ,मनोज, रामलखन गुप्ता ,संतोष ,विष्णु भाई ने विचार व्यक्त किए। सभी का आभार मुनीश अहमद ने दिया। आज गांव में 91 मरीजों को परीक्षण कर दवाई दी गई।

ऐश्प्रा फाउंडेशन द्वारा बस स्टैंड और जिला हॉस्पिटल आजमगढ़ में स्थापित आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का हुआ लोकार्पण

हाइड्रो एक्स कंपनी द्वारा निर्मित आरओ प्लांट की क्षमता 800 लीटर प्रति घंटे व स्टोरेज क्षमता एक हजार लीटर की है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

आजमगढ़। ऐश्प्रा फाउंडेशन द्वारा आज आजमगढ़ के बस स्टैंड और जिला अस्पताल में निरूशुल्क आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का लोकार्पण हुआ द्य बस स्टैंड स्थित निरूशुल्क आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का लोकार्पण मा० सांसद आजमगढ़, दिनेश लाल यादव (निरहुआ), क्षेत्रीय प्रबंधक–परिवहन निगम आजमगढ़ श्री मनोज कुमार बाजपेई, सर्विस मैनेजर श्री रविन्द्र सिंह तथा उद्योग विभाग के उपायुक्त श्री साहब सरन रावत साथ इस अवसर पर ऐश्प्रा फाउंडेशन के महत्वपूर्ण पदाधिकारी भी उपस्थिति रहे।

जिला अस्पताल में निरूशुल्क आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट का लोकार्पण मा० सांसद आजमगढ़ श्री दिनेश लाल यादव (निरहुआ), मुख्य चिकित्सा अधिकारी आजमगढ़ डॉ० आई. एन. तिवारी, एसआईसी–जिला अस्पताल श्री लाल जी यादव, उद्योग विभाग के उपायुक्त श्री साहब सरन रावत साथ ही ऐश्प्रा फाउंडेशन के महत्वपूर्ण पदाधिकारी भी उपस्थिति रहे।

मा० सांसद आजमगढ़, श्री दिनेश लाल यादव (निरहुआ) ने कहा, ' जनहित को ध्यान में रखते हुए ऐश्प्रा फाउंडेशन की यह पहल बहुत उपयोगी है, इससे वहां आने जाने वाले सभी लोगों को काफी राहत मिलेगी। इस तरह के प्रयास के लिए अन्य संस्थाओं को भी आगे आना चाहिए हम सब मिलकर ही जनहित के कार्यों और देश के विकास में सहायक हो सकते हैं।'

इस अवसर पर छेत्रीय प्रबंधक–परिवहन निगम, श्री मनोज कुमार बाजपेई व मुख्य चिकित्सा अधिकारी आजमगढ़ डॉ० आई. एन. तिवारी ने कहा इस आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट लगने से यहां आने वाले लोगो के साथ ही स्टाफ को भी लाभ होगा। हम सभी जानते हैं कि जल ही जीवन है, लेकिन आजकल शुद्ध व साफ जल मिलना मुश्किल हो गया है। दूषित जल पीने से तरह–तरह की बीमारियां होने लगी है। ऐसे में ऐश्प्रा फाउंडेशन की यह पहल सराहनीय है। 'ऐश्प्रा फाउंडेशन के श्री अतुल सराफ ने कहा, "ऐश्प्रा फाउंडेशन अपनी सामाजिक जवाबदेही और जिम्मेदारी को निभाने के लिए हमेशा तत्पर है। इसी क्रम में जनहित को ध्यान में रखते हुए, ऐश्प्रा फाउंडेशन ने यह कदम उठाया है।आने वाले समय में हम ऐश्प्रा फाउंडेशन की तरफ से सामाजिक व सामुदायिक विकास के अन्य कार्य भी शीघ्र ही निष्पादित करेंगे।"

ऐश्प्रा फाउंडेशन लंबे समय से अपनी सामाजिक व सामुदायिक विकास हेतु लोगों को आधारभूत एवं आवश्यकता आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में बस स्टैंड और जिला हॉस्पिटल में , 800 लीटर प्रति घंटे पानी शुद्ध करने की कैपेसिटी वाले आरओ व चिल्ड वाटर प्लांट की स्थापना की गई है।

एस के डी अकादमी के निदेशक मनीष सिंह ने वैश्विक शांति का सन्देश दिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी अकादमी के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने वैश्विक शांति के लिए सर्वसाधारण से अपील करते हुए कहा कि विश्व शांति पृथ्वी पर सभी लोगों और राष्ट्रओं के भीतर और उनके बीच शांति की एक आदर्श स्थिति की अवधारणा है स विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों, दर्शन और संगठनों की अलग अलग अवधारणाएं हैं कि ऐसा शांति का समय कैसे आ सकता है ।

इजराइल व फिलिस्तीन में जो युद्ध चल रहा है जिसकी वजह से कितने मासूम लोगों की जान जा रही है कितने लोग बेघर हो रहे हैं द्य हम सबको ऐसे समय में समझदारी से कार्य करने की आवश्यकता है स हिंसा से मानव जाति का अत्यंत नुकसान होता है स हिंसा से हिंसा बढ़ती है और प्रेम से प्रेम की अभिवृद्धि होती है स अतः निश्चित रूप से प्रेम और अहिंसा के बिना विश्व में शांति स्थापित नहीं हो सकती स शांति के अभाव में मानव जाति का विकास संभव नहीं स शांत वातावरण में ही मनुष्य के रचनात्मक व्यक्तित्व का विकास होता है स सकारात्मकता की वृद्धि व प्रगति भी इसी में निहित है व समृद्धि की प्रथम सीढ़ी भी है स शांति सुरक्षा और शांति की एक तनाव मुक्त स्थिति है जो तभी संभव है जब कोई लड़ाई या युद्ध नहीं होता है, सब कुछ पूर्ण सद्भाव और स्वतंत्रता में सह अस्तित्व में होता है स इस कठिन समय में वर्तमान विश्व की आवश्यकता शांति एवं भाईचारा सब तरफ रहे स संप्रदायवाद एवं आतंकवाद वैश्विक शांति के सबसे बड़े अवरोधक हैं स असंतुलित आर्थिक विकास सम्पूर्ण विश्व के समक्ष एक प्रमुख चुनौती है स अंधाधुंध औद्योगिकरण ने पर्यावरणअसंतुलन को भी बढ़ाया है जोकि वैश्विक शांति की स्थापना में बाधक है ।

अब शांति प्राप्त करने के लिए हथियार डालने से कहीं अधिक की आवश्यकता है ।

एकता में शक्ति है शांति व सम्भाव से ही सबका कल्याण संभव है।

निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी ऐसे समय में विश्व शांति की अपील करते हैं एवं ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शीघ्रअतिशीघ्र यह युद्ध समाप्त हो व सभी तरह के संघर्ष, विवाद व भय से सब मुक्त हों।

प्रत्येक विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं को दस हजार नए मतदाता बनवाने का लक्ष्य सौंपा: शिव भूषण सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को रिकॉर्ड मतों से विजयश्री प्राप्त कर, पुनः भाजपा की केंद्र में सरकार बनवाने के लिए भाजपा ने जिले और मंडलवार ब्लू प्रिंट तैयार कर धरातल पर उतारने का काम जोर शोर से शुरू कर दिया है। चुनावी बेला से पहले मतदाताओं को अपने पाले में बनाए रखने के लिए जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन की अध्यक्षता में एवं मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह ने दूसरे चक्र की वोटर चेतना महाअभियान का श्री गणेश जिला कार्यशाला से शुभारंभ किया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि शिव भूषण सिंह ने आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वोटर चेतना महाअभियान में प्रत्येक विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं को दस हजार नए मतदाता बनवाने का लक्ष्य सौंपा है। यह लक्ष्य तभी संभव होगा जब हर एक कार्यकर्ता का पर्सनल टच बूथ के मतदाताओं से होगा। उनको पार्टी की रीति नीति और सरकार की कल्याणकारी योजनाएं से लाभान्वित करा पाएगा।

शिव भूषण सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता का काम वोट बनवाना और वोट को अपने पक्ष में प्रभावित करना है। भारतीय जनता पार्टी के वोट प्रतिशत को बढ़ाने के लगातार प्रयास करना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए मंडल एवं बूथ स्तर पर कार्य करने के लिए मण्डल संयोजक और सह संयोजक एवं सदस्य नियुक्त किया गया है, जिनकी टोली घर घर जाकर आम जनता से संपर्क कर नए मतदाता बनाने का काम करेगी, जिसके लिए पार्टी ने प्रत्येक मण्डल में 2 हजार नए मतदाता बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि वोटर चेतना अभियान के अंतर्गत 27, 28, 29 अक्टूबर एवं 30 अक्टूबर से 05 नवंबर, 25 नवंबर से 03 दिसंबर तक घर घर संपर्क कर मतदाताओं के जुड़ने, कटने और संशोधन होने वाले नामों को फॉर्म के माध्यम से जिला निर्वाचन को भेजना है। और 26 दिसंबर को दावा एवं आपत्ति निस्तारण और 05 जनवरी 2024 को अंतिम मतदाता सूँची प्रकाशित होगी।

शिव भूषण सिंह ने बताया कि 2014 के लोकसभा चुनाव में 02 करोड़ 31 लाख नया वोटर था जो पहली बार मतदान करने बूथ पर पहुंचा था। महाभ्रष्ट कांग्रेस की सरकार हटाकर नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा की सरकार केंद्र में बनवाने का श्रेय लगभग युवा मतदाताओं को गया था। यही कारण है कि पीएम नरेंद्र मोदी के समृद्ध और विकसित भारत में युवाओं के लिए बनी सुलभ नीतियों ने पढ़ाई से लेकर खेल कूद, स्टार्टअप, औद्योगिकरण, कला और सेवा क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रहें है।

कार्यशाला में जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने सभी पदाधिकारियों में जोश भरते हुए कहा कि भाजपा विश्व की एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें कार्यकर्ता का मान सम्मान पदाधिकारियों से भी अधिक होता है। लाखों कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से 2 सांसदों वाली पार्टी आज भारत में केंद्र की सत्ता पर बहुमत के साथ पिछले साढ़े नौ साल से बिना किसी आरोप के आसीन है। यह एक अपने आप में कीर्तिमान है और इस कीर्तिमान को स्वयं भाजपा की पुनः तीसरी बार बनने वाली सरकार ही तोड़ने वाली है। युवा शक्ति के साथ महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के प्यार और आशीर्वाद ने विपक्ष के हौसले पस्त कर रखे है। विपक्ष गठबंधन बनाकर सरकार बनाने का जो सपना देख रहा है, वह भूल जाए। यह जनता और भाजपा का मजबूत फेविकोल का जोड़ है, अब पीढ़ियों तक टूटने वाला नही है।

कार्यशाला को जिला महामंत्री ओम वर्मा एवं अनुराग मिश्र ने भी संबोधित किया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत, जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह गुड्डू ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष रामकिशोर गुप्ता गुड्डू, राम बहादुर सिंह, राजीव रंजन मिश्र, श्रीकृष्ण शास्त्री, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती,क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री विमल सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री, एस पी मौर्या, संदीप सिंह, श्रवण कन्नौजिया, विनोद राठौर, जिला मंत्री अविनाश पांडे, अजय शुक्ला, मंगतराम, नीतू चंद्रा, मिडिया प्रभारी गांगेश पाठक, सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता, प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी, कार्यालय मंत्री अतुल सिंह, आई टी एवं सोशल मीडिया प्रमुख क्रमशः सौरभ सिंह, प्रद्युम्न मिश्र, असद इराकी, मोर्चो के अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख एवं नगर पालिकाध्यंचायत अध्यक्षगण उपस्थित रहे।

बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड द्वारा किसान समृद्धि मेला आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। बलरामपुर चीनी मिल सबसे बड़ी चीनी मिल और भारत के एथेनाल सप्लाई करने वाली एक बड़ी कम्पनी की मनकापुर इकाई ने किसान समृद्धि मेला का आयोजन किया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी, गोण्डा नेहा वर्मा ने मेले का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि का स्वागत श्रीमती अवन्तिका सरावगी प्रमोटर एवं बिजनेस लीड बलरामपुर चीनी मिल्स लि0 और चीनी मिल के मुख्य महाप्रबन्धक नीरज बंसल ने किया अपने उद्देष्य के अनुरूप इस आयोजन का उद्देष्य गन्ना उत्पादक किसानों सवोत्तम कृषि पद्धतियों के साथ साथ नवीनतम कृषि मषीनरी और उनके उपयोग के बारे में षिक्षित करना था। इस मेले में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा विपटेक पेरिफेरल्स प्रा० लि0 राजकोट, धनुका एग्रीटेक लि0, ओरोगोनेक्स लाइफ साइन्स क्रिस्टल काप प्रोटेक्सन प्रा० लि०, नैटको काप हेल्प साइन्स जैसी प्रसिद्ध कम्पनियों ने भाग लिया। लगभग 1000 किसानों की उपस्थिति में स्टालों पर अपने उत्पाद प्रदर्षित किये। अग्रणी कृषि उपकरण निर्माता कम्पनियों के प्रषिक्षित अधिकारियों ने आधुनिक कृषि मषीनरी के उपयोग पर लाइव प्रदर्शन किया जबकि कीटनाषक की निर्माण करने वाली कम्पनियों ने फसल को बीमारी से बचाने के लिए कीटनाषको के प्रभावी उपयोग पर प्रकाष डाला।

फीता काटने के बाद जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने स्टालों का अवलोकन किया और उनसे जानकारी प्राप्त की। सभी व्यक्तियो ने किसानो को नवीनतम तकनीकी का प्रयोग करने और उसका उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करने के लिए आधुनिक कृषि पद्धिति और मषीनीकरण को अपनाने वाले किसानों को पुरस्कार से सम्मानित किया। उत्पादक समुदाय (किसान) चीनी निर्माण उद्योग में प्रमुख हितधारक है। बलरामपुर चीनी मिल्स लि० कम्पनी के निरन्तर सक्रिय उपायों के माध्यम से हमेषा उनके साथ आषाजनक सम्बन्ध बनाये रखा है। यह आयोजन बलरामपुर चीनी मिल्स लि० द्वारा उत्पादक समुदाय को विकसित हो रही नई तकनीकि प्रगति के करीब लाने का प्रयास था। उत्पादक समुदाय (किसान) चीनी निर्माण उद्योग में प्रमुख हितधारक है।

इनरव्हील क्लब लखनऊ विक्ट्री द्वारा वन्दना मान्टेसरी हाईस्कूल मे बच्चों का दन्त परीक्षण ।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊरूकपूरथला के पास नीरा हास्पिटल के पास वन्दना मान्टेसरी हाईस्कूल मे बच्चो का ओरल चेक अप किया गया। दन्त चिकित्सक डॉक्टर विजय ने बच्चो का ओरल हाइजीन के बारे मे विस्तार पूर्वक बताया ।डॉक्टर विजय ने बच्चो का ओरल चेक अप किया और उनकी समस्याओ के बारे मे बताया । समस्याग्रस्त सभी बच्चों को उन्होने क्लीनिक आने को कहा और निःशुल्क इलाज करने के लिए कहा। इस अवसर पर स्कूल की टीचर वन्दना,अन्जली, उपप्रधानाचार्य के साथ इनरव्हील क्लब आफ लखनऊ विक्ट्री की प्रेसीडेंट अलका सिंह, हिमांशी भी उपस्थित रही। सभी बच्चों मे कोलगेट टूथपेस्ट और टूथब्रश वितरित किया गया।

सिटी अकादमी कॉलेज चिनहट में महिला व पुरुष जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगता का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जिला शिक्षा एव प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ के उप शिक्षा निर्देशक ध प्राचार्य अजय कुमार सिंह के निर्देशन में सत्र 2023–24 के विभिन्न खेलो का आयोजन डी० एल० एड० के 74 डिग्री कॉलेज मध्य किया जाना सुनिश्चित है इसी क्रम में सिटी अकादमी कॉलेज चिनहट में महिला एव पुरुष जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगता का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन डॉ० ममता श्रीवास्तव, डायरेक्टर सिटी ग्रुप ऑफ कॉलेज लखनऊ के कर कमलो द्वारा किया गया जिसमे डायट के कार्यक्रम समन्वयक डॉ० संतोष कुमार सिंह एवं राकेश कुमार शुक्ला तथा सहसमन्वयक अशोक कुमार वर्मा व प्रदीप कुमार के द्वारा आयोजन को सम्पन कराया गया। समापन समारोह के अवसर पर अजय कुमार सिंह उपशिक्षा निदेशक एवं सिटी ग्रुप ऑफ कॉलेज के प्रेसीडेंट ऐश्वर्या सिंह के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।

नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा, पिहानी के गायत्री मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गायत्री मंदिर पर यज्ञीय वातावरण में निशुल्क संपन्न कराए जा रहे विविध संस्कार

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। नवरात्र के अवसर पर मां दुर्गा की उपासना के लिए मंदिरों में लंबी–लंबी कतारें लग रही हैं। भूरेश्वर मंदिर, शीतला देवी मंदिर ,सिंह वाहिनी मंदिर, इच्छापूर्ण मंदिर, गायत्री मंदिर के अलावा अन्य क्षेत्रों के मंदिरों में आदि शक्ति के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की आराधना के लिए सोमवार को श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गायत्री प्रज्ञापीठ पिहानी पर नवरात्रि के दूसरे दिन यज्ञ में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ देखने को मिली। यज्ञ का संचालन मृदुल कपूर व निखिल गुप्ता ने संपन्न कराया। कार्यक्रम की व्यवस्थाएं मंदिर के व्यवस्थापक देवेंद्र मिश्र व रजनीश मिश्रा राजू ने देखी।

नवरात्र के दूसरे दिन सोमवार को भी गायत्री प्रज्ञा पीठ में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। जय मां अंबे के जयकारों से मंदिर गूंज उठे। दूसरे दिन मां के दूसरे रूप ब्रह्मचारिणी का पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में मां की प्रार्थना कर सुख–समृद्धि की कामना की। बच्चों से लेकर बुजुर्ग मंदिर में दर्शन करने के लिए लंबी कतारों में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं में उत्साह देखते ही बन रहा था।

एल. पी. सी. राजाजीपुरम ने मनाया वसुधैव कुटुम्बकम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, ए– ब्लॉक, राजाजीपुरम ने वसुधैव कुटुम्बकम, विषयवस्तु पर अपना वार्षिकोत्सव मनाया। संस्थापक महाप्रबंधक डॉ एस. पी. सिंह ने मुख्य अतिथि मा० पूर्व न्यायाधीश आदर्श कुमार सिंह का स्वागत किया। छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से पूरा विश्व एक परिवार है, की विचारधारा को मंच पर जीवंत किया। इस अवसर पर कर्बला तालकटोरा के सचिव सैय्यद फैजी विशिष्ट अतिथि, पूर्व एम. एल. सी. कान्ति सिंह, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, निदेशक नेहा सिंह, उपनिदेशक मीना टांगड़ी, प्रिंसिपल्स भारती गोसाई, नवनीत कौर, मुख्य निरीक्षक संजय प्रताप सिंह, परीक्षा नियंत्रक योगेश कुमार गुप्ता, मीडिया हेड विजय मिश्रा, अभिभावक व बच्चे उपस्थित रहे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।